License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

यहूदा 1:1

यहूदा किसके दास थे?

यहूदा यीशु मसीह के दास थे।

यहूदा 1:1 (#2)

यहूदा के भाई कौन थे?

यहूदा के भाई याकूब थे।

यहूदा 1:1 (#3)

यहूदा ने किसको लिखा?

उन्होंने उन लोगों को लिखा जो परमेश्वर के पिता में प्रिय हैं और यीशु मसीह के लिए सुरक्षित रखे गए हैं।

यहूदा 1:2

यहूदा जिन लोगों को लिख रहे थे, उन्हें क्या बहुतायत से प्राप्त होता रहे?

यहूदा चाहते थे कि दया, शान्ति और प्रेम उन्हें बहुतायत से प्राप्त होता रहे।

यहूदा 1:3

यहूदा पहले किस विषय पर लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहे थे?

यहूदा पहले उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहे थे, जिसमें हम सब सहभागी हैं।

यहूदा 1:3 (#2)

यहूदा ने वास्तव में किस विषय पर लिखा था?

यहूदा ने वास्तव में पवित्र लोगों के विश्वास के लिए यत्न करने की आवश्यकता के बारे में लिखा था।

यहूदा 1:4

कुछ भक्तिहीन और लुचपन में बदल डालने वाले कैसे आ मिले हैं?

कुछ भक्तिहीन और लुचपन में बदल डालने वाले चुपके से आ मिले हैं।

यहूदा 1:4 (#2)

भक्तिहीन और लुचपन में बदल डालने वाले ने क्या किया था?

उन्होंने परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते है, और हमारे एकमात्र स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इन्कार करते हैं।

यूहदा 1:5

प्रभु ने एक बार लोगों को कहाँ से छुड़ाया था?

प्रभु ने उन्हें मिस्र देश से छुड़ाया था।

यहूदा 1:5 (#2)

प्रभु ने उन लोगों के साथ क्या किया जिन्होंने विश्वास नहीं किया?

प्रभु ने उन लोगों को नाश कर दिया जिन्होंने विश्वास नहीं किया था।

यहूदा 1:6

प्रभु ने उन स्वर्गदूतों के साथ क्या किया जिन्होंने अपनी निज निवास को छोड़ दिया?

प्रभु ने उन्हें भीषण दिन के न्याय के लिये अंधकार में बन्धनों में रखा है।

यहूदा 1:7

सदोम, गमोरा, और उनके आसपास के नगर ने क्या किया था?

वे व्यभिचारी हो गए और और पराए शरीर के पीछे लग गए।

यहूदा 1:8

सदोम, गमोरा, और उनके आसपास के नगर की तरह, दोषी और भक्तिहीन क्या करते हैं?

वे अपने सपनों में अपने शरीर को अशुद्ध करते हैं, प्रभुता को तुच्छ जानते है, और बुरा-भला कहते हैं।

यहूदा 1:9

प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने शैतान से क्या कहा था?

प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने कहा, "प्रभु तुझे डाँटे।"

यहूदा 1:12

दोषी और भक्तिहीन निर्लज्जता से किसकी परवाह करते हैं?

वे निर्लज्जता से अपनी परवाह करते हैं।

यहूदा 1:14

हनोक आदम की कौन सी पीढ़ी में थे?

हनोक आदम से सातवीं पीढ़ी में थे।

यहूदा 1:15

प्रभु किन पर न्याय करेंगे?

प्रभु सब का न्याय करेंगे।

यहूदा 1:16

वे अधर्मी लोग कौन हैं जिन्हें दोषी ठहराया जाएगा?

असंतुष्ट, कुड़कुड़ानेवाले, और अपनी अभिलाषाओं के अनुसार चलनेवाले हैं; और अपने मुँह से घमण्ड की बातें बोलते हैं; और वे लाभ के लिये मुँह देखी बड़ाई किया करते हैं, वे अधर्मी लोग हैं जिन्हें दोषी ठहराया जाएगा।

यहूदा 1:17

पिछले दिनों में उपहास करनेवालों के बारे में किसने बातें कहीं?

प्रभु यीशु मसीह के प्रेरितों ने पिछले दिनों में उपहास करनेवालों के विषय में बातें कहीं थी।

यहूदा 1:19

उन उपहास करनेवालों के बारे में क्या सत्य है जो अपनी अभक्ति की अभिलाषाओंके अनुसार चलेंगे, जो फूट डालते हैं और शारीरिक लोग हैं?

उनके पास पवित्र आत्मा नहीं हैं।

यहूदा 1:20

प्रिय स्वयं को कैसे तैयार कर रहे थे और प्रार्थना कर रहे थे?

प्रियजन अपने अति पवित्र विश्वास में अपनी उन्नति करते हुए और पवित्र आत्मा में प्रार्थना करते हुए तैयार कर रहे थे।

यहूदा 1:21

प्रियों को खुद को किसमें बनाए रखना चाहिए और क्या देखते रहना चाहिए?

प्रियों को स्वयं को परमेश्वर के प्रेम में बनाए रखना चाहिए था और अनन्त जीवन के लिये हमारे प्रभु यीशु मसीह की दया की आशा देखते रहना चाहिए।

यहूदा 1:22–23

प्रियों को किसने बचाया था?

प्रियों को शरीर के द्वारा कलंकित वस्त्र पहनने वालों और आग में फंसे लोगों को बचाना था।

यहूदा 1:24–25

परमेश्वर, उनके उद्धारकर्ता, प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से, क्या कर सकते हैं?

परमेश्वर उन्हें ठोकर खाने से बचा सकते हैं और अपनी महिमा की भरपूरी के सामने मगन और निर्दोष करके खड़ा कर सकते हैं।

यहूदा 1:25

हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा एकमात्र उद्धारकर्ता परमेश्वर को कौन सी चीजें दी जानी चाहिए?

हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमारे उद्धारकर्ता एकमात्र परमेश्वर की महिमा, गौरव, पराक्रम और अधिकार दी जानी चाहिए।

यहूदा 1:25 (#2)

परमेश्वर के पास महिमा कब से है?

परमेश्वर के पास सनातन काल से, अब भी और युगानुयुग महिमा है।